आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक
हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 85 | उज्जैन, शनिवार 15 फरवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

जिला खनिज प्रतिष्ठान के संसाधनों का जनजातीय बाहुल्य जिलों में प्राथमिकता से उपयोग हो - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जिलों की आवश्यकता और परिस्थितियों को देखते हुए अधोसंरचना विकास का निर्धारण किया जाए

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के जनजातीय बाहुल्य जिले, खनिज संपदा से सम्पन्न हैं। जिला खनिज प्रतिष्ठान के अंतर्गत विकास की गतिविधियों का संचालन इन जिलों में प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। जिलों की आवश्यकता और परिस्थितियों को देखते हुए अधोसंरचना विकास का निर्धारण किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आपदा व आकस्मिकता की स्थितियों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए सभी जिलों में एक हेलीकॉप्टर पट्टी विकसित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने जिन जिलों में स्टेडियम नहीं है, वहां खेल अधोसंरचना के लिए

आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में जिला खनिज प्रतिष्ठान के संबंध में बैठक समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिला खनिज प्रतिष्ठान में स्वास्थ्य की देखभाल, पेयजल, शिक्षा, कौशल विकास और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। जिलों के लिए सुनिश्चित विकास मॉडल बनाकर बेहतर पंचायत भवन, शिक्षण संस्थाओं के प्रांगण, मूलभूत सुविधाओं से युक्त अस्पताल परिसर विकसित करने के लिए कार्य योजना बनाई जाए। सभी विधानसभा क्षेत्रों के कॉन्सेप्ट प्लान तैयार करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कार्यों के निर्धारण में विधायकगण की भागीदारी को भी बढ़ाया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि जिला खनिज प्रतिष्ठान में उपलब्ध संसाधनों से सभी जिलों का संतुलित विकास हो।

प्रमुख सचिव खनिज श्री उमाकांत उमराव, प्रमुख सचिव योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी श्री संजय शुक्ला, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मनी लांड्रिंग गंभीर अपराध, सुप्रीम कोर्ट ने कहा इसमें व्यक्ति अपने लाभ के लिए राष्ट्र हित की अनदेखी करता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में मनी लॉड्रिंग को देश की वित्तीय व्यवस्था और संप्रभुता व अखंडता के लिए खतरा बताते हुए कहा है कि यह कोई साधारण अपराध नहीं है। यह एक गंभीर अपराध है।

मनी लॉड्रिंग गंभीर अपराध- सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मनी लॉड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) का उद्देश्य मनी लॉड्रिंग रोकना है, जो देश की वित्तीय व्यवस्था के लिए खतरा है। मनी लॉड्रिंग एक गंभीर अपराध है, जिसमें व्यक्ति अपना लाभ बढ़ाने के लिए राष्ट्र और समाज हित की अनदेखी करता है। इस अपराध को किसी भी तरह से क्षुद्र प्रकृति का अपराध नहीं कहा जा सकता।

शीर्ष अदालत ने कहा कि यह कानून मनी लॉड्रिंग गतिविधियों से निपटने के लिए बनाया गया है। इसमें वित्तीय प्रणाली पर अंतरराष्ट्रीय प्रभाव डालने वाली मनी लॉड्रिंग की गतिविधियां आती हैं, जिसका असर देशों की संप्रभुता और अखंडता पर भी पड़ता है। दुनिया भर में मनी लॉड्रिंग को अपराध का गंभीर रूप माना गया है। इसमें शामिल अपराधी को सामान्य अपराधी से अलग वर्ग का माना जाता है।

रणवीर अल्लाहबादिया को अब सुप्रीम कोर्ट से झटका, FIR के खिलाफ जल्द सुनवाई की मांग खारिज

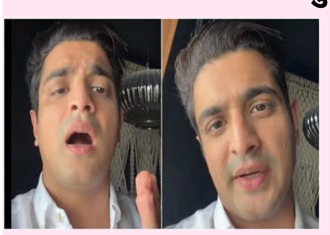

नई दिल्ली (एजेंसी)। इन्फ्लुएंसर रणवीर अल्लाहबादिया को अब सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। यूट्यूब पर एक कार्यक्रम में गलत टिप्पणी करने को लेकर देश के अलग-अलग राज्यों में दर्ज एफआईआर के खिलाफ रणवीर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे।

एफआईआर के खिलाफ शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए रणवीर के वकील ने तत्काल सुनवाई की मांग की थी, हालांकि कोर्ट ने ये मांग खारिज कर दी।

दो-तीन दिन में होगी सुनवाई

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने इन्फ्लुएंसर की ओर से पेश हुए वकील अभिनव चंद्रचूड़ की दलीलों पर गौर किया और कहा कि याचिका दो-तीन दिनों में सूचीबद्ध की जाएगी। अभिनव चंद्रचूड़ ने इस आधार पर तत्काल सुनवाई की मांग की कि अल्लाहबादिया को आज असम पुलिस ने तलब किया है। कॉमेडियन समय रैना के यूट्यूब शो इंडियाज गॉट लेटेंट में माता-पिता और सेक्स पर पॉडकास्टर में अल्लाहबादिया ने गलत टिप्पणी कर विवाद खड़ा कर दिया। देश के विभिन्न हिस्सों में उनके और अन्य लोगों के खिलाफ कई एफआईआर दर्ज की गई हैं।

क्या है व्हाट्सएप डीपी फ्रॉड, एक शख्स से 4.4 करोड़ की ठगी, कैसे खुद को बचाएं आप?

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई में एक बड़ी कंपनी के अधिकारी से करोड़ों रुपये की ठगी की गई है। जालसाज ने व्हाट्सएप डीपी के माध्यम से यह रकम ऐंठी है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। ठग ने एक अज्ञात नंबर पर कंपनी के कार्यकारी निदेशक की फोटो का इस्तेमाल किया।

इसके बाद कंपनी के कर्मचारी से पैसे ट्रांसफर करने को कहा। डीपी की वजह से कर्मचारी को विश्वास हो गया। मगर जब वाउचर के लिए कार्यकारी निदेशक को कॉल किया तो पैरों तले जमीन खिसक गई।

खराब इंटरनेट का दिया हवाला- धोखाधड़ी का शिकार हुई कंपनी इंजीनियरिंग और मशीन निर्माण के काम से जुड़ी है। ठग ने कंपनी के कर्मचारी को कहा कि वह बिजनेस दौरे पर है। यहां खराब इंटरनेट कनेक्टिविटी है। इस वजह से नया नंबर का उपयोग करना कर रहा है। मेरा नंबर सेव कर लीजिए।

व्हाट्सएप की डीपी पर कार्यकारी निदेशक की फोटो लगी थी। मगर असल में वह ठग था। कर्मचारी यह समझ नहीं पाया। ठग पर विश्वास करके 4.4 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए।

जनवरी में आया था मैसेज- टाइम्स ऑफ इंडिया की खबर के मुताबिक कर्मचारी ने 4.4 करोड़ रुपये की रकम को 3 बैंक खातों में ट्रांसफर किया। 4 फरवरी को कंपनी ने एक केस दर्ज कराया। अब पुलिस मामले की जांच में जुटी है। कर्मचारी के पास मैसेज 7 जनवरी को व्हाट्सएप पर आया था।

फॉरेक्स ट्रेडिंग गैंग का भंडाफोड़, ईडी ने 170 करोड़ की संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेशी मुद्रा व्यापार की आड़ में मल्टी-लेवल मार्केटिंग स्कीम (एमएलएम) चला रहे एजेंटों के ठिकानों से ईडी की छापेमारी में 30 से अधिक बैंक खातों और लाकरों से 170 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है।

विदेशी और भारतीय दस्तावेज बरामद किए गए- मास्टरमाइंड नवाब उर्फ लविश चौधरी के शामली स्थित घर से 96 लाख रुपये कैश, डिजिटल डिवाइस, विदेशी और भारतीय दस्तावेज बरामद किए गए हैं। इस मामले में विभिन्न राज्यों के 500 निवेशकों को फारेक्स (विदेशी मुद्रा) ट्रेडिंग में एक वर्ष में पैसा दोगुना करने का प्रलोभन देकर 210 करोड़ रुपये की ठगी को अंजाम दिया गया था।

ईडी कई ठिकानों पर की छापेमारी - मंगलवार को ईडी ने शामली, दिल्ली, नोएडा और रोहतक में आरोपितों के ठिकानों पर छापेमारी की थी। ट्रेडिंग कंपनी बोट ब्रो, क्यूएफएक्स ट्रेड की जांच के दौरान कई राजफाश हुए हैं। ईडी चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय की 15 सदस्यीय टीम ने शामली में ट्रेडिंग कंपनी में निवेश कराने वाले एजेंट के घर छापेमारी की। आरोपित राजेंद्र सूद, विनीत कुमार, संतोष कुमार और नवाब पर विदेशी मुद्रा व्यापार की आड़ में मल्टी-लेवल मार्केटिंग स्कीम चलाने का आरोप था।

20 से अधिक एजेंटों से पूछताछ - नवाब समेत 20 से अधिक एजेंटों से पूछताछ की जा चुकी है, जिनमें बागपत के मोबिन, मुजफ्फरनगर, शामली और रोहतक, नोएडा, दिल्ली निवासी एजेंट हैं।

हंगामे के बाद संसद में सरकार ने पेश किया शुद्धिपत्र, विपक्षी सदस्य ने कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट में असहमति से जुड़े हिस्सों को कथित रूप से हटाए जाने के मुद्दे पर विपक्षी दलों के हंगामे के बाद भाजपा की मेधा विश्राम कुलकर्णी ने बृहस्पतिवार दोपहर उच्च सदन में एक शुद्धिपत्र पेश किया। कुलकर्णी ने रिपोर्ट के परिशिष्ट पांच का शुद्धिपत्र राज्यसभा में भोजनावकाश के बाद पेश किया। उन्होंने सुबह सदन में रिपोर्ट पेश की थी। रिपोर्ट के परिशिष्ट का अध्याय पांच संयुक्त समिति के सदस्यों से प्राप्त टिप्पणियों/असहमतियों के कार्यवृत्त से संबंधित है।

पीएम मोदी और ट्रंप की मुलाकात से गदगद हुए कांग्रेस नेता, खुलकर की तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे को लेकर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने खुशी जाहिर की है। कांग्रेस सांसद ने पीएम मोदी के रूख को लेकर भी उनकी सराहना की है।

उन्होंने कहा, अब तक हमने प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ट्रंप के प्रेस बयानों में देखा है, वह बहुत उत्साहजनक है। हमारी कुछ बड़ी चिंताओं का समाधान किया गया है। उन्होंने ट्रेड और टैरिफ को लेकर एक साथ बातचीत करने का फैसला किया है जो सितंबर-अक्टूबर तक खत्म हो जाएगी।

डिफेंस फ्रंट पर भी पीएम मोदी की वाहवाही करने लगे कांग्रेस नेता - कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा, रक्षा मोर्चे पर, हमें एफ-35 स्टेल्थ विमान बेचना काफी अहम है क्योंकि यह एक अत्याधुनिक विमान है। मैं अब तक मिली जानकारियों से खुश हूं।

मैं प्रधानमंत्री और उनकी टीम के वापस आने पर और अधिक जानकारी का इंतजार कर रहा हूं।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर- अवैध अप्रवास के मुद्दे को लेकर क्या बोले कांग्रेस नेता- कांग्रेस नेता ने पीएम मोदी के अमेरिका दौरे को लेकर कहा कि उन्हें सभी मुद्दों पर संतोष है लेकिन अवैध अप्रवास के मुद्दे पर कुछ बातें रह गईं।

शशि थरूर ने कहा, अवैध प्रवासन के मुद्दे पर, केवल यह बात गायब थी कि उन्हें किस तरह वापस भेजा गया। इसके अलावा, उनका (पीएम मोदी) रुख बिल्कुल सही था। ये युवा भटक गए हैं जिन्हें अवैध रूप से प्रवास करने के लिए बहलाया-फुसलाया जाता है।

पीएम मोदी का अमेरिका दौरे में किन-किन मुद्दों पर हुई बात- पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मुलाकात के बाद साझे तौर पर प्रेस कॉफ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि भारत व्यापार घाटे को कम करने के लिए अमेरिका से एफ-35 लड़ाकू विमानों के साथ-साथ पहले से अधिक तेल, गैस और सैन्य हार्डवेयर खरीदेगा। इस दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी बता दिया कि अमेरिका भारत को रेसिप्रोकल टैरिफ में रियायत नहीं देगा। ट्रंप ने उम्मीद जताई कि भारत टैरिफ को लेकर अमेरिका के प्रति तर्कसंगत रवैया अपनाएगा।

दोनों देशों ने तेल-गैस, डिफेंस, टैरिफ, टेक्नोलॉजी और व्यापार से जुड़े मुद्दों पर आपसी सहयोग देने की बात कही है।

ये अच्छा नहीं होगा..., भारत-अमेरिका के F-35 लड़ाकू विमान के सौदे से बौखलाया पाक, दे रहा शांति की दुहाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ तौर पर कहा है कि वो भारत को स्त्र-35 स्टील्थ फाइटर जेट बेचना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हम भारत को अमेरिकी सेना के सबसे दमदार फाइटर जेट स्त्र-35 को बेचने के लिए तैयार हैं।

पीएम मोदी के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने यह बात कही है। गौरतलब है कि ट्रंप की इस पेशकश से पाकिस्तान को मिर्ची लग गई है।

पाकिस्तान को लगी मिर्ची- अरब न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने कहा कि अगर अमेरिका स्त्र-35 फाइटर जेट भारत को बेचता है तो इससे क्षेत्र (दक्षिण एशिया) में सैन्य असुंतलन बढ़ेगी और रणनीतिक स्थिरता घट जाएगी। यह शांति के लिए सही नहीं है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा भारत को फाइटर जेट स्त्र-35 फाइटर जेट बेचने का फैसला एकतरफा, भ्रामक और कूटनीतिक मानदंडों के खिलाफ है।

बता दें कि पीएम मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से जारी ज्वाइंट स्टेटमेंट में आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान को फटकार भी लगाई है। ज्वाइंट स्टेटमेंट में कहा गया है कि आतंकवादी हमलों को अंजाम देने के लिए पाकिस्तान अपने क्षेत्र का इस्तेमाल न करे।

क्या है एफ-35 फाइटर जेट की ताकत- बता दें कि अगर भारत एफ-35 फाइटर जेट खरीदने के लिए तैयार हो जाता है तो वो गैर-नाटो और गैर-प्रशांत अमेरिकी सहयोगी बनने वाला पहला देश बन जाएगा।

एफ-35 एक पांचवीं पीढ़ी का स्टेल्थ लड़ाकू विमान है, जो उन्नत इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों, खुली वास्तुकला, उन्नत सेंसर और असाधारण जानकारी संलयन क्षमताओं से लैस है।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले आतंकी हमले से दहला पाकिस्तान, बम से उड़ाया ट्रक; 11 की मौत और 6 गंभीर घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में शुक्रवार को एक बड़ा बम धमाका हुआ है। इसमें 11 लोगों की मौत हुई है और छह अन्य घायल हैं। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक धमाका दक्षिण-पश्चिमी पाकिस्तान में हुआ है। एक वाहन में कोयला खनिकों को ले जाया जा रहा था। तभी घात लगाकर वाहन पर धमाका किया गया है।

बता दें कि ट्रक से श्रमिकों को बलूचिस्तान प्रांत के हरनाई इलाके में मौजूद एक खदान में लाया गया था। पाकिस्तान का बलूचिस्तान प्रांत दशकों से आतंकवाद से जूझ रहा है।

रिमोट से किया धमाका- अर्धसैनिक बल के एक अधिकारी ने जानकारी दी कि रिमोट कंट्रोल डिवाइस के माध्यम से कोयला खनिकों के ट्रक को निशाना बनाया गया है। हालांकि अभी तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। क्षेत्र के डिप्टी कमिश्नर हजरत वली आगा ने कहा कि बम विस्फोट के समय ट्रक में 17 खनिक सवार थे। स्थानीय अस्पताल के एक डॉक्टर ने कहा कि घायलों में से दो की हालत नाजुक है।

बलूचिस्तान में बढ़े आतंकी हमले- बलूचिस्तान में पिछले कुछ सालों में आतंकी हमलों में काफी इजाफा हुआ है। यह इलाका खनिज संपन्न है। मगर चीन और पाकिस्तान के बढ़ते प्रभाव का बलूच लोग विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि हमारे संसाधनों पर चीन और पाकिस्तान का कब्जा गैर-कानूनी है। यही वजह है कि बलूचिस्तान में चीन के प्रोजेक्ट और नागरिकों को निशाना बनाया जाता है।

युवक कर रहा था बोटिंग, बीच समंदर अचानक निकला व्हेल और नौका समेत गया निगल

दक्षिण अमेरिकी देश चिली में 24 वर्षीय एक युवक अपने पिता के साथ समंदर में अलग-अलग नाव पर बोटिंग कर रहा था। इस दौरान पिता समंदर की लहरों पर तैरते बेटे की नाव और उसके रोमांच का वीडियो बना रहा था लेकिन बीच समंदर अचानक कुछ ऐसा हुआ कि वहां चीत्कार मच उठी। दरअसल, 24 वर्षीय युवक एड्रियन सिमंकास जिसे समंदर की लहरें समझ रहा था और नाव संग अटखेलियां कर रहा था, वह समुद्री लहर नहीं बल्कि विशाल व्हेल मछली थी, जो अचानक समंदर को चीरती हुई निकली और पल भर में एड्रियन सिमंकास को उसकी नाव समेत निगल गई।

यह देख पिता हक्का-बक्का रह गया। हालांकि, गनीमत ये रही कि व्हेल ने थोड़ी ही देर में चमत्कारिक ढंग से नौका समेत एड्रियन सिमंकास को वापस समंदर में उगल दिया। इससे एड्रियन सिमंकास की जान बच गई। ये सारी घटना एड्रियन सिमंकास के पिता के कैमरे में कैद हो गई। जैसे ही व्हेल के अंदर से एड्रियन सिमंकास बाहर निकला वह घबराकर चिल्लाने लगा। इस दौरान उसके पिता को वीडियो में बेटे को शांत रहने को कहते हुए देखा जा सकता है।

दक्षिण कोरिया में रिजॉर्ट के निर्माण स्थल पर लगी आग, छह की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया के बुसान शहर में एक रिजॉर्ट निर्माण स्थल पर शुक्रवार को आग लग गई, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई। बुसान की अग्निशमन एजेंसी के अनुसार, 100 कर्मचारी साइट से बाहर निकलने में कामयाब रहे। आग की सूचना सुबह 10:20 बजे मिली थी।

आग के चलते छह की मौत- आग बुझाने के लिए 90 दमकलकर्मियों को लगाया गया। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो सका कि श्रमिक अब भी अंदर फंसे हुए हैं या नहीं। आग लगने का कारण तत्काल स्पष्ट नहीं हो सका है। अग्निशमन के अधिकारी ने कहा कि छह लोगों को दिल का दौरा पड़ने पर अस्पताल ले जाया गया और बाद में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

अन्य सात लोगों को मामूली चोटें आई हैं। टेलीविजन फुटेज में घटनास्थल से धुआं और आग की लपटें उठती दिख रही हैं। बचाव प्रयासों के तहत एक हेलीकाप्टर इमारत की ओर जाता नजर आ रहा है।

भारत को पसंद नहीं आया चीन से सीमा विवाद पर ट्रंप का ऑफर, जानें क्यों ठुकरा दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कई मुद्दों पर चर्चा हुआ, जिसमें चीन का मुद्दा भी था। पिछले कई सालों से चीन लगातार अपने विस्तारवादी नीतियों से भारत के लिए चिंता खड़ी कर रहा है।

डोकलाम विवाद की वजह से भारत और चीन के बीच के बीच रिश्तों में काफी दरार आ चुकी थी। भले ही चीन ने सीमा विवाद और सैन्य गतिरोध को सुलझाने के लिए कई अहम फैसले लिए, लेकिन ड्रैगन पर पूरी तरह भरोसा करना भारत के लिए सही नहीं है।

ट्रंप ने चीन-भारत सीमा विवाद पर क्या कहा है- इसी बीच ट्रंप ने पीएम मोदी से चीन और भारत के बीच सीमा विवाद को सुलझाने की पेशकश की है। हालांकि, भारत ने कहा कि वो द्विपक्षीय तरीके से ही इस मामले को सुलझाने में दिलचस्पी रखते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों के बीच सैन्य झड़पें काफी हिंसक थीं और वह मदद करना चाहेंगे।

पिछले महीने ट्रंप ने कहा था,÷मैं भारत को देखता हूं, मैं सीमा पर झड़पें देखता हूं, जो काफी क्रूर हैं, और मुझे लगता है कि वे जारी रहेंगी। अगर मैं मदद कर सकता हूं, तो मुझे मदद करना अच्छा लगेगा क्योंकि इसे रोका जाना चाहिए। यह लंबे समय से चल रहा है और यह काफी हिंसक है।÷

विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा है कि हमारे किसी भी पड़ोसी के साथ हमारे जो भी मुद्दे हैं, हमने इन मुद्दों से निपटने के लिए हमेशा द्विपक्षीय दृष्टिकोण अपनाया है।

रूस ने चेर्नोबिल परमाणु रिएक्टर पर किया अटैक, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि रूसी ड्रोन हमले ने चेर्नोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमला किया है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने रात भर में काफी नुकसान पहुंचाया है।

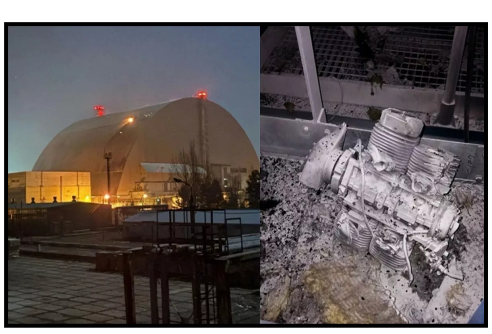

चेर्नोबिल में दुनिया का सबसे बुरा परमाणु हादसा हुआ था, जब 1986 में इसके चार रिएक्टरों में से एक में विस्फोट हुआ था। उस रिएक्टर को अब एक सुरक्षात्मक कारणों से बंद रखा गया है, जिसे सरकोफेगस के रूप में जाना जाता है, ताकि विकिरण को रोका जा सके।

रूसी ड्रोन ने किया हमलाः जेलेंस्की- वोलोदिमीर जेलेंस्की ने आगे कहा कि रूसी ड्रोन ने संयंत्र में नष्ट हो चुकी बिजली इकाई के प्लांट पर हमला किया, जिससे वहां आग लग गई, जिसे बाद में बुझा दिया गया।

रूस पर बरसे यूक्रेनी राष्ट्रपति- जेलेंस्की ने कहा कि अभी तक परमाणु रिएक्शन का स्तर नहीं बढ़ा है और लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक आकलन में काफी नुकसान पाया गया था। उन्होंने कहा कि रूस ही दुनिया का एकमात्र देश है जो इस तरह के स्थलों पर हमला करता है, परमाणु ऊर्जा संयंत्रों पर कब्जा करता है और परिणामों की परवाह किए बिना युद्ध छेड़ता है।

PM मोदी ने अरबपति Musk के बच्चों को दिया खास तोहफा, बदले में मस्क ने भी दिया रिटर्न गिफ्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दो दिवसीय अमेरिकी दौरा बेहद खास रहा है। कूटनीतिक और व्यापारिक क्षेत्रों से जुड़ी कई मामलों पर दोनों नेताओं के बीच चर्चा हुई। गौरतलब है कि राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात से पहले पीएम मोदी ने टेस्ला के सीईओ एलन मस्क और उनके परिवार से मुलाकात की।

अमेरिकी राष्ट्रपति के अतिथि गृह ब्लेयर हाउस पहुंचने पर स्पेसएक्स के सीईओ के तीन छोटे बच्चे भी उनके साथ थे। जब मस्क की पीएम मोदी से मुलाकात हुई तो उन्हें उनके साथ बैठे देखा गया। बैठक में न्यूरालिंक के निदेशक शिवोन जिलिस भी मौजूद थे।

पीएम मोदी ने मस्क के बच्चों को क्या दी गिफ्ट- बैठक के दौरान पीएम ने एलन मस्क के तीन बच्चों को किताबें भी भेंट कीं। उन्होंने मस्क के बच्चों को रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा लिखित द क्रिसेंट मून, द ग्रेट आरके नारायण कलेक्शन और पंडित विष्णु शर्मा द्वारा लिखित पंचतंत्र गिफ्ट में दिया।

सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों में देखा जा सकता है कि उनके बच्चे किताब पढ़ रहे हैं। मस्क ने भी पीएम मोदी को एक उपहार दिया। अनुमान लगाया जा रहा है कि यह हीट शील्ड टाइल है जो पिछले साल अक्टूबर में हुए स्पेसएक्स के स्टारशिप फ्लाइट टेस्ट 5 में उड़ी थी। वस्तु पर ये शब्द उकेरे गए थे- स्टारशिप उड़ान परीक्षण 5, 12 अक्टूबर, 2024।

पीएम मोदी से मुलाकात को लेकर मस्क ने जानकारी देते हुए कहा,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलना सम्मान की बात है, अरबपति एलन मस्क ने कहा कि दोनों के बीच अंतरिक्ष, गतिशीलता, प्रौद्योगिकी और नवाचार जैसे कई मुद्दों पर चर्चा की गी।

तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण पर 26/11 की चश्मदीद ने जताई खुशी, कहा- फांसी पर लटका दो, तो ज्यादा संतोष मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 26/11 आंतकी हमले की चश्मदीद देविका रोतावन ने अमेरिका से तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण पर खुशी जताई है। देविका ने ही अदालत में आतंकी कसाब की पहचान की थी। देविका ने कहा कि हमले के प्रमुख साजिशकर्ताओं में से एक तहव्वुर भारत के कानून का सामना करेगा, इससे वह खुश हैं। लेकिन उन्हें तब ज्यादा संतुष्टि होगी, जब उसे इसके लिए सजा सुनाई जाएगी।

देविका बोलीं- प्रत्यर्पण का इंतजार- देविका ने आगे कहा, मैं काफी वक्त से सुन रही हूं कि तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण किया जाएगा। परमिशन भी दे दी गई है। लेकिन वह वास्तव में भारत कब लाया जाएगा, ये मेरा सवाल है। मुझे सिर्फ तभी खुशी होगी, जब वह यहां आ जाएगा और न्याय किया जाएगा।

उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा आतंकवाद के खिलाफ उठाए गए कदमों और सरकार द्वारा मजबूत कदम उठाने के लिए सराहना की। देविका ने कहा, पीएम मोदी देश के लिए जो कर रहे हैं, वह सराहनीय है। लेकिन मैं उनसे अपील करती हूं कि आतंकवाद को पूरी तरह से खत्म करने के लिए और भी अधिक प्रयास करें।

सेबी ने वॉट्सऐप-टेलीग्राम के कॉल रिकॉर्ड जांचने की मांगी शक्ति, फ्रॉड पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सरकार से वाट्सएप और टेलीग्राम जैसे इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म के अनधिकृत वित्तीय सलाह को हटाने के लिए सरकार से व्यापक अधिकार मांगा है। साथ ही इसने बाजार नियमों के उल्लंघनों की जांच के लिए उनके कॉल रिकॉर्ड तक पहुंचने हेतु भी अपनी शक्तियां बढ़ाने की मांग दोहराई है।

नियामक ने बाजार उल्लंघनों की जांच तेज कर दी है

वर्ष 2022 के बाद से यह दूसरी बार है जब सेबी ने ऐसी शक्तियों की मांग की है। हालांकि सरकार से अभी मंजूरी नहीं मिल पाई है। उल्लेखनीय है कि यह अनुरोध ऐसे समय में आया है जब नियामक ने बाजार उल्लंघनों की जांच तेज कर दी है और इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने वाली अनियमित वित्तीय सलाह पर लगाम कस दी है। सेबी ने कहा है कि इंटरनेट मीडिया कंपनियों ने नियामक के साथ पहले की बैठक के बावजूद अपने कॉल डाटा रिकॉर्ड और समूहों और चैनलों तक पहुंच के लिए सरकार के अनुरोध का अनुपालन नहीं किया है। पिछले सप्ताह सरकार को भेजे अपने पत्र में सेबी ने कहा कि वाट्सएप जैसी कंपनियों ने नियामक को अपने इंटरनेट मीडिया ग्रुप चैट तक पहुंच से वंचित कर दिया है।

कोर्ट में लंबित मामलों का जल्द होगा निपटारा! केंद्रीय मंत्री ने राज्यसभा में बताया मोदी सरकार का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि वर्ष 2022 के अंत और इस साल सात फरवरी के बीच देश की विभिन्न अदालतों में लंबित मामलों में करीब 33 लाख की वृद्धि हुई है।

31 दिसंबर 2022 तक 4.87 करोड़ से अधिक मामले लंबित थे, जबकि सात फरवरी को यह आंकड़ा 5.20 करोड़ था। उन्होंने कहा कि लंबित मामलों का समयबद्ध तरीके से निपटारा करना न्यायपालिका के विशेष अधिकार क्षेत्र में है।

मुकदमों की संख्या को कम करने पर सरकार का जोर- केंद्रीय मंत्री- लंबित मामलों के समाधान में तेजी लाने के लिए प्रस्तावित राष्ट्रीय मुकदमा नीति को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। केंद्र सरकार ने मुकदमों की संख्या को कम करने के लिए वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र को बढ़ावा देने हेतु कई पहल की है।

पिछले साल कानून मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के दिन ही मेघवाल ने मसौदा नीति पर हस्ताक्षर किए थे, जिसे अंतिम निर्णय के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाना है। राष्ट्रीय मुकदमा नीति का मसौदा कई वर्षों से तैयार और पुन: तैयार किया जा रहा है।

सरकारें लगातार इसकी रूपरेखा पर विचार-विमर्श करती रही हैं। संप्रग-2 में तत्कालीन कानून मंत्री एम वीरप्पा मोइली ने राष्ट्रीय मुकदमा नीति बनाई थी, लेकिन यह कभी भी आगे नहीं बढ़ पाई।

आतंकियों का खात्मा करके रहेंगे, पीएम मोदी और अमित शाह ने पुलवामा के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। 14 फरवरी को छह साल पहले पुलवामा में बड़ा आतंकी हमला हुआ था। हमले में बड़ी मात्रा में जवान शहीद हुए थे। आज पुलवामा हमले की छठी वर्षगांठ पर शहीदों को याद करते हुए पीएम मोदी ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है।

इसी के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी शहीद हुए 40 सीआरपीएफ जवानों को श्रद्धांजलि दी। शाह ने यह भी कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार आतंकवादियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ अभियान चलाकर उन्हें पूरी तरह से नष्ट करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

पीएम मोदी ने कहा, मैं पुलवामा हमले में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। आने वाली पीढ़ी कभी भी इन शहीद जवानों का देश के प्रति बलिदान और साहस को नहीं भूलेगी।

अमित शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं पूरे राष्ट्र की ओर से 2019 में आज के दिन पुलवामा में हुए कायराना आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। आतंकवाद पूरी मानवता का सबसे बड़ा दुश्मन है और पूरा विश्व इसके खिलाफ एकजुट है।

शाह ने आगे कहा कि चाहे सर्जिकल स्ट्राइक हो या एयर स्ट्राइक, मोदी सरकार आतंकवादियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ अभियान चलाकर उन्हें पूरी तरह से नष्ट करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

2019 में हुआ था पुलवामा हमला- बता दें कि पाकिस्तान स्थित आतंकी समूह जैश-ए-मोहम्मद ने 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों को ले जा रही एक बस को निशाना बनाया, जिसमें 40 जवान शहीद हो गए। इसके कुछ दिनों बाद, भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तान के अंदर बालाकोट में आतंकी शिविरों को निशाना बनाकर बमबारी की।

न महामारी, न कोई आपदा... पिछले 30 साल में मौसम की वजह से कैसे चली गई 80 हजार भारतीयों की जान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनियाभर में क्लाइमेट चेंज एक बड़ी चिंता का विषय बन गया है। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से कहीं न कहीं मौसमी आपदा देखने को मिल ही जाती है। कहीं तूफान, कहीं बाढ़ तो कहीं सूखा लोगों को नुकसान पहुंचाता है।

भारत में 30 सालों में 80 हजार की मौत- इस बीच ये जानकारी सामने आई है कि मौसम के इस बदलावों के कारण भारत को भी बड़ा नुकसान हुआ है। देश में 1993 से 2022 तक 30 वर्षों के अंदर 80 हजार से ज्यादा लोगों की मौत होने की बात सामने आई है।

रैंकिंग में सुधार, फिर भी हालत खराब- ये जानकारी पर्यावरण थिंक टैंक जर्मनवॉच द्वारा जारी जलवायु जोखिम सूचकांक 2025 में सामने आई है। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने रैंकिंग में सुधार किया है।

भारत 2019 में ऐसी ही मौसमी घटनाओं के कारण दुनिया भर में सातवें सबसे अधिक प्रभावित देश में गिना जाता था, जो अब 2022 में 49वें स्थान पर आ गया। वहीं, इस सुधार के बावजूद भारत छठे सबसे खराब स्थान पर होने के कारण शीर्ष 10 सबसे अधिक प्रभावित देशों में बना हुआ है।

1562 करोड़ रुपये का नुकसान भी झेला - रिपोर्ट की बताया गया कि इन मौसमी घटनाओं के कारण होने वाली मौतों और आर्थिक नुकसान से भारत भी बड़े तौर पर प्रभावित हुआ है। भारत ने 30 वर्षों में 400 चरम मौसमी घटनाओं में 80,000 लोगों की जान गंवाई और लगभग 1562 करोड़ (180 बिलियन डॉलर) का नुकसान दर्ज किया।

वैश्विक स्तर पर बुरा असर, 7 लाख की गई जान- वैश्विक स्तर पर 2022 तक 30 वर्षों में 9400 से अधिक ऐसी चरम मौसमी घटनाओं के कारण 7 लाख 65 हजार से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवाई। इससे कुल 4.2 ट्रिलियन डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ।

अमीर देश भी बच न सके- रिपोर्ट में वैश्विक स्तर पर बढ़ते जलवायु जोखिमों के परिणामों पर प्रकाश डाला गया है, जिसमें दिखाया गया है कि 2022 में 10 सबसे अधिक प्रभावित देशों में से सात उच्च आय वाले देश समूह के हैं।

सुप्रीम कोर्ट से पूजा खेडकर को बड़ी राहत, 17 मार्च तक नहीं हो सकेगी गिरफ्तारी; 3 हफ्ते में दाखिल करना होगा जवाब

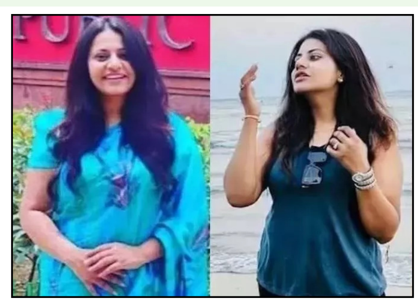

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रेनी आईएएस रही पूजा खेडकर को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। पूजा को अब 17 मार्च तक गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है। शीर्ष अदालत ने गिरफ्तारी से सुरक्षा की समय सीमा को बढ़ा दिया है।

हालांकि जस्टिस बीवी नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने खेडकर को जांच में सहयोग करने को कहा है। इस बीच अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने इस मामले में जवाब दाखिल करने के लिए कुछ समय मांगा। इसके बाद अदालत ने तीन सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा।

पूजा खेडकर के वकील सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि पुलिस उन्हें जांच के लिए नहीं बुला रही है। वह आने को तैयार हैं। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने 15 जनवरी को पूजा खेडकर की अग्रिम जमानत याचिका पर दिल्ली सरकार और संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को नोटिस जारी किया था। खेडकर पर आरक्षण लाभ प्राप्त करने के लिए यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा- 2022 के अपने आवेदन में गलत जानकारी देने का आरोप है।

हालांकि पूजा ने सभी आरोपों का खंडन किया।

हाईकोर्ट से खारिज हो चुकी अग्रिम जमानत याचिका- हाई कोर्ट पूजा की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर चुका है। इस दौरान उच्च न्यायालय ने खेडकर के खिलाफ एक मजबूत प्रथम दृष्टया मामला पाया। अदालत ने कहा कि सिस्टम में हेरफेर करने की बड़ी साजिश का पता लगाने के लिए जांच जरूरी है। इसमें राहत देने से प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने कहा कि अग्रिम जमानत याचिका खारिज की जाती है। गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण रद्द किया जाता है।

कोर्ट से मिली गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण- 12 अगस्त 2024 को हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत याचिका पर नोटिस जारी किया। इस दौरान पूजा खेडकर को गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण प्रदान किया गया। इतना ही नहीं समय समय पर इसे बढ़ाया भी गया। हाईकोर्ट ने कहा कि यूपीएससी परीक्षा सबसे प्रतिष्ठित परीक्षा है। यह मामला संवैधानिक संस्था और समाज के साथ धोखाधड़ी का है।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 फाल्गुन तृतीया

संपादकीय

यह युग वैश्विक संचार के बहुत स्पीडवे को फिर से परिभाषित करने के लिए तैनात है...

उन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक जहां दृश्यमान परिवर्तनों को जनवरी 2025 के बाद देखा जाएगा, यह संचार परिदृश्य भूवैज्ञानिक रूप से है। यह युग वैश्विक संचार के बहुत स्पीडवे को फिर से परिभाषित करने के लिए तैनात है, एक महत्वपूर्ण प्रश्न के साथ- क्या हम संचार वितरण, सामग्री अभिविन्यास, आउटरीच तंत्र और उपकरणों में 360-डिग्री परिवर्तन के कगार पर हैं? भूवैधानिक रूप से, संचार पारिस्थितिकी तंत्र एक नई भाषा को गले लगाएगा-जो कि केंद्रित संदेश, परिणाम-चालित वितरण, और यथार्थवादी पैटर्न और वैश्विक प्रभावों की पहचान करने के लिए औसत दर्जे के परिणामों की प्राथमिकता है। जैसा कि दुनिया भू -राजनीतिक बदलाव के इस नए अध्याय में कदम रखती है, संचार रणनीतियाँ अधिक परिष्कृत, गतिशील और बहुआयामी होती जा रही हैं। घंटे की आवश्यकता यह है कि नए गठजोड़ को स्थानांतरित करने वाले राजनीतिक परिदृश्य और प्रमुख भू -राजनीतिक विकास में शामिल किया जाए। विकसित होने वाली राजनीतिक जलवायु पारंपरिक प्रतिमानों को चुनौती दे रही है, संचार विशेषज्ञों, राजनयिकों और नीति निर्माताओं को यह पुनर्विचार करने के लिए मजबूर करती है कि संदेश कैसे तैयार किए जाते हैं, वितरित किए जाते हैं, और एक वैश्विक मंच पर प्राप्त किए जाते हैं। ईआरए एक संचार ढांचे की मांग करता है जो न केवल सीमाओं को स्थानांतरित करता है, बल्कि पुल भी सटीक, रचनात्मकता और प्रामाणिकता के साथ विभाजित करता है। 2025 में, ÷एक चित्र एक हजार शब्दों के लायक है÷ वाक्यांश अधिक अनुनाद पर ले जाता है। संदेश देने के लिए दृश्य संचार सबसे प्रभावशाली तरीका बन गया है। एक एकल, अच्छी तरह से तैयार की गई छवि में भावनाओं, विचारों और आख्यानों को व्यक्त करने की शक्ति होती है जो शब्दों को एनकैप्सुलेट करने के लिए संघर्ष कर सकते हैं। इस पर निर्माण, उदाहरण के लिए, शॉर्ट-फॉर्म वीडियो और 30-सेकंड रीलों का विस्फोट, परिदृश्य को और बदल दिया गया है। उनकी संक्षिप्तता और भावनात्मक गहराई उन्हें जनता की राय को आकार देने, समर्थन जुटाने और यहां तक ??कि तनाव को कम करने में अद्वितीय प्रभाव के उपकरण बनाती है। यह विकास भू -राजनीतिक क्षेत्र में संचारकों पर अपार जिम्मेदारी रखता है। कूटनीति, एक बार मुख्य रूप से बंद दरवाजों के पीछे आयोजित की जाती है

डिजिटल प्लेटफार्मों द्वारा प्रवर्धित क्यूरेटेड विजुअल, प्रतीकात्मक इशारों और रणनीतिक संदेश के माध्यम से सार्वजनिक डोमेन में तेजी से खेल रही है। विदेश नीति के लिए, चुनौती यह है कि संवेदनशीलता बनाए रखते हुए ट्रस्ट का निर्माण करने के लिए इन उपकरणों का उपयोग करते हुए, पारदर्शिता और रणनीति को संतुलित करना है। जैसा कि सोशल मीडिया ने अपनी तेजी से वृद्धि जारी रखी है, कई लोग पूछते हैं कि क्या पारंपरिक मीडिया अभी भी इस डिजिटल बाजीगरी के सामने अपनी जमीन पकड़ सकता है। सोशल मीडिया ने व्यक्तियों, सरकारों और संगठनों को अपने दर्शकों के लिए एक सीधा चैनल देते हुए, वैश्विक रूप से वैश्विक और लोकतांत्रिक संचार किया है। यह, सगाई और वायरल जाने की शक्ति पर पनपता है, जिससे यह भू -राजनीतिक संचार में एक आवश्यक उपकरण बन जाता है। हालांकि, पारंपरिक मीडिया अप्रचलित से दूर है। सूचना अधिभार के युग में, एक विश्वसनीय द्वारपाल के रूप में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। जबकि सोशल मीडिया इस समय का दूत है, पारंपरिक मीडिया गहराई, विश्लेषण और संदर्भ प्रदान करता है-ऐसे तत्व जो सूचित निर्णय लेने के लिए महत्वपूर्ण हैं। संचार के लिए इस नए भू -राजनीतिक युग में प्रभावी होने के लिए, दो माध्यमों को एक -दूसरे को पूरक करना चाहिए, एक समग्र कथा का निर्माण करना चाहिए जो तत्काल और स्थायी दोनों है।

थल सेना दिवस

थल सेना दिवस प्रत्येक वर्ष 15 जनवरी को भारतीय थल सेना के लिए पूरे भारत में मनाया जाता है। वस्तुतः थल सेना दिवस देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वाले वीर सपूतों के प्रति श्रद्धांजलि देने का दिन है। यह दिन देश के प्रति समर्पण व कुर्बान होने की प्रेरणा का पवित्र अवसर है।

संकल्प लेने का दिन

भारत में थल सेना दिवस देश के जांबाज रणबांकुरों की शहादत पर गर्व करने का एक विशेष मौका है। 15 जनवरी, 1949 के बाद से ही भारत की सेना ब्रिटिश सेना से पूरी तरह मुक्त हुई थी, इसीलिए 15 जनवरी को थल सेना दिवस घोषित किया गया। यह दिन देश की एकता व अखंडता के प्रति संकल्प लेने का दिन है। यह दिवस भारतीय सेना की आज़ादी का जश्न है। यह वही आज़ादी है, जो वर्ष 1949 में 15 जनवरी को भारतीय सेना को मिली थी। इस दिन के.एम. करिअप्पा को भारतीय सेना का कमांडर-इन-चीफ़ बनाया गया था। इस तरह लेफ्टिनेंट करिअप्पा लोकतांत्रिक भारत के पहले सेना प्रमुख बने थे। इसके पहले यह अधिकार ब्रिटिश मूल के फ़्राँसिस बूचर के पास था और वह इस पद पर थे। वर्ष 1948 में सेना में तकरीबन 2 लाख सैनिक ही थे, लेकिन अब 11 लाख, 30 हज़ार भारतीय सैनिक थल सेना में अलग-अलग पदों पर कार्यरत हैं।

शहीदों को श्रद्धांजलि

देश की सीमाओं की चौकसी करने वाली भारतीय सेना का गौरवशाली इतिहास रहा है। देश की राजधानी दिल्ली के इंडिया गेट पर बनी अमर जवान ज्योति पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाती है। इस दिन सेना प्रमुख दुश्मनों को मुँहतोड़ जवाब देने वाले जवानों और जंग के दौरान देश के लिए बलिदान करने वाले शहीदों की विधवाओं को सेना मैडल और अन्य पुरस्कारों से सम्मानित करते हैं। हर वर्ष जनवरी में थल सेना सेना दिवस मनाया जाता है और इस दौरान सेना अपने दम-खम का प्रदर्शन करने के साथ ही उस दिन को पूरी श्रद्धा से याद करती है, जब सीमा पर वर्ष के बारह महीने जमे रहकर भारतीय जवानों ने समस्त देशवासियों के साथ ही साथ देश की रक्षा भी की थी। दिल्ली में आयोजित परेड के दौरान अन्य देशों के सैन्य अथितियों और सैनिकों के परिवारों वालों को बुलाया जाता है। सेना इस दौरान जंग का एक नमूना पेश करती है और अपने प्रतिक्रिया कौशल और रणनीति के बारे में बताती है। इस परेड और हथियारों के प्रदर्शन का उद्देश्य दुनिया को अपनी ताकत का एहसास कराना है। साथ ही देश के युवाओं को सेना में शामिल होने के लिये प्रेरित करना भी है। थल सेना दिवस पर शाम को सेना प्रमुख चाय पार्टी आयोजित करते हैं, जिसमें तीनों सेनाओं के सर्वोच्च कमांडर भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और उनकी मंत्रिमंडल के सदस्य शामिल होते हैं।

भारतीय थल सेना

भारतीय थल सेना के प्रशासनिक एवं सामरिक कार्य संचालन का नियंत्रण थल सेनाध्यक्ष करता है। सेना को अधिकतर थल सेना ही समझा जाता है, यह ठीक भी है क्योंकि रक्षा-पक्ति में थल सेना का ही प्रथम तथा प्रधान स्थान है। इस समय लगभग 13 लाख सैनिक-असैनिक थल सेना में भिन्न-भिन्न पदों पर कार्यरत हैं, जबकि 1948 में सेना में लगभग 2,00,000 सैनिक थे। थल सेना का मुख्यालय नई दिल्ली में है।

कई कार्यक्रमों का आयोजन-

सेना दिवस पर देश भर में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जो शहीदों को श्रद्धांजलि देते हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से नागरिकोंऔर सेना के बीच एक विशेष संबंध स्थापित होता है।

सेना दिवस हमें सैनिकों के अनगिनत बलिदानों की याद दिलाता है। यह उत्सव का भी दिन है, जब हम अपने सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। 2025 के सेना दिवस पर, आइए हम अपने सैनिकों के साथ खड़े हों और उनके आदर्शों पर चलने का प्रयास करें। भारतीय सेना दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेनाओं में से एक है। यह हमारी सीमाओं की रक्षा करती है और अंतर्राष्ट्रीय शांति अभियानों में भी भाग लेती है। सेना हमेशा देश की सेवा में तत्पर रहती है, जिससे उसकी निष्ठा और समर्पण का पता चलता है।

सेना दिवस उन वीर जवानों के बलिदान को याद करने का दिन है जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। यह दिन सेना के साहस और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। यह उनकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है जो वे देश की सुरक्षा के लिए दिखाते

हैं।

भारतीय सेना में फील्ड मार्शल की पांच सितारा रैंक वाले दो ही अधिकारी रहे हैं.

पहले हैं केएम करियप्पा और दूसरे अधिकारी फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ हैं.

उनको किपर के नाम से भी पुकारा जाता है. कहा जाता है कि जब करियप्पा फ़तेहगढ़ में तैनात थे तो एक ब्रिटिश अफ़सर की पत्नी को उनका नाम लेने में बहुत दिक्कत होती थी. इसलिए उन्होंने उन्हें किपर पुकारना शुरू कर दिया.

केएम करियप्पा का जन्म 28 जनवरी, 1900 को कर्नाटक में हुआ था. पहले विश्वयुद्ध (1914-1918) के दौरान उन्हें सैन्य प्रशिक्षण मिला था.

1942 में करियप्पा लेफ़्टिनेंट कर्नल का पद पाने वाले पहले भारतीय अफ़सर बने. 1944 में उन्हें ब्रिगेडियर बनाया गया और बन्नू फ़्रंटियर ब्रिगेड के कमांडर के तौर पर तैनात किया गया. 15 जनवरी 1986 को उन्हें फ़ील्ड मार्शल बनाने की घोषणा की गई. तब उनकी उम्र 86 साल के करीब थी.

फ़ील्ड मार्शल करियप्पा ने 1947 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में पश्चिमी कमान संभाली थी.

लेह को भारत का हिस्सा बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही.

नवंबर 1947 में करियप्पा को सेना की पूर्वी कमान का प्रमुख बना कर रांची में तैनात किया गया था.

लेकिन दो महीने के अंदर जैसे ही कश्मीर में हालत ख़राब हुई, उन्हें लेफ़्टिनेंट जनरल डडली रसेल के स्थान पर दिल्ली और पूर्वी पंजाब का जीओसी इन चीफ़ बनाया गया. उन्होंने ही इस कमान का नाम पश्चिमी कमान रखा.

भारत को क्या मिला, क्या अब टैरिफ की चिंता करने की जरूरत नहीं?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में टैरिफ मुद्दे को लेकर काफी मुखर हैं। इससे भारत समेत कई देश चिंतित हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने अमेरिका जाकर ट्रंप से मुलाकात भी की है। इस मुलाकात के गहरे मायने हैं। आइए जानते हैं कि मोदी-ट्रंप मीटिंग से भारत को टैरिफ में कोई राहत मिली या नहीं।

भारत-अमेरिका के बीच विवाद क्या है- ट्रंप को सबसे अधिक दिक्कत भारत के साथ व्यापार घाटे को लेकर है। अमेरिका का भारत के साथ व्यापार घाटा 45.6 बिलियन डॉलर है। अमेरिका में औसत टैरिफ 2.2 फीसदी रही है, वहीं भारत में यह औसतन 12 फीसदी है। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान भी टैरिफ मुद्दे को लेकर भारत पर निशाना साधा था। उन्होंने इस बार भी दोहराया है कि भारत को टैरिफ मुद्दे को संतुलित करने की जरूरत है।

मोदी-ट्रंप के बीच क्या बात हुई- पीएम मोदी ने कहा, एक बात जो मैंने राष्ट्रपति ट्रंप से सीखी है, वो यह है कि वे राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च मानते हैं। उनकी तरह मैं भी भारत के राष्ट्रीय हित को हर चीज से ऊपर रखता हूं। दोनों नेताओं ने आपसी व्यापार को बढ़ाने पर काफी जोर दिया।

पीएम मोदी ने 2030 तक अमेरिका के साथ ट्रेड डबल करने की बात कही है। वहीं, ट्रंप ने कहा, हम भारत को कई अरब डॉलर की रक्षा बिक्री करेंगे। हम भारत को एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट बेचने का तरीका भी तलाशेंगे। उन्होंने कहा कि वह और पीएम मोदी ऐसे समझौते पर पहुंचे हैं, जो अमेरिका को भारत का नंबर वन तेल और गैस सप्लायर देश बना सकता है।

क्या ट्रंप ने भारत को कोई राहत दी- ट्रंप ने टैरिफ के मोर्चे पर भारत को कोई राहत नहीं दी। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि अमेरिका भारत समेत सभी देशों पर जैसे को तैसा टैरिफ (रेसिप्रोकल टैरिफ) लगाएगा। इसका मतलब कि जो देश अमेरिकी सामान पर जितना टैरिफ लगाएगा, अमेरिका भी उस देश के सामान पर उतना ही टैरिफ लगाएगा। यह भारत के लिए बड़ी चिंता की बात है, क्योंकि भारत सबसे अधिक निर्यात अमेरिका को ही करता है।

2 बड़े ऑर्डर मिलने के बाद भी इस शेयर में भूचाल, 85 के नीचे आया भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिविल कंस्ट्रक्शन से जुड़ी कंपनी- एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड को सामूहिक रूप से 851.69 करोड़ के दो नए ऑर्डर मिले हैं। इनमें से 776.75 करोड़ का पहला ऑर्डर दामोदर घाटी निगम से मिला है। यह ऑर्डर कोलकाता के दुर्गापुर, कोडरमा और रघुनाथपुर में टाउनशिप के भवनों और संबंधित कार्यों के निर्माण के लिए है। वहीं, 74.94 करोड़ का दूसरा ऑर्डर वित्त वर्ष 2027 तक दो साल के लिए न्यू मोती बाग जीआरपीए कॉम्प्लेक्स के मेंटेनेंस वर्क के लिए आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय से है।

इस ऑर्डर के बावजूद शुक्रवार, 14 फरवरी को एनबीसीसी के शेयर 5त्न से ज्यादा गिरकर 81 पर आ गए। पिछले छह महीनों में शेयर 30त्न से ज्यादा गिर गया है। बता दें कि शेयर के 52 हफ्ते का लो 70.14 रुपये है। मार्च 2024 में शेयर का यह भाव था। वहीं, 139.90 रुपये शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। एनबीसीसी ने दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही में प्रॉफिट में साल-दर-साल 25.1त्न की वृद्धि हासिल की। इस दौरान मुनाफा 138.5 करोड़ था जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 110.7 करोड़ था। इस नवरत्न इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी ने परिचालन से राजस्व में 16.6त्न की स्वस्थ वृद्धि देखी। यह राजस्व 2827 करोड़ था जो पहले 2423.5 करोड़ रुपये रहा।

कच्चा तेल खरीदने के लिए भारत खोज रहा नए देश, अर्जेंटीना के बाद अब ब्राजील के साथ किया बड़ा करार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ऊर्जा सम्मेलन इंडिया एनर्जी वीक-2025 गुरुवार को समाप्त हो गया। भारत के पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तत्वाधान में आयोजित इस सम्मेलन में भारतीय कंपनियों ने कई ऐसे समझौतों पर हस्ताक्षर किये हैं, जो आने वाले दिनों में देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूती देंगे।

इसमें देश की एक प्रमुख रिफाइरी कंपनी भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) का ब्राजील की कंपनी पेट्रोब्राज से 60 लाख बैरल कच्चे तेल के आयात का सालाना निर्यात का समझौता है, जो भारत की तेल खरीद विकल्पों को बढ़ाएगा। भारत ने हाल के दिनों में उन देशों से तेल खरीदने की शुरुआत की है जिनसे पारंपरिक तौर पर नहीं खरीदा जाता था।

अर्जेंटीना से भी की तेल खरीदने की शुरुआत- ब्राजील से पहले भारत ने अर्जेंटीना से तेल खरीदने की शुरुआत की है। भारत आज तकरीबन 40 देशों से कच्चे तेल का आयात करता है। वैश्विक बाजार में उथल-पुथल होने पर इससे देश के हितों की रक्षा ज्यादा बेहतर तरीके से की जा सकेगी।

12 लाख टन सालाना एलएनजी का होगा आयात- आईईडब्लू में एक अन्य समझौता संयुक्त अरब अमीरात की कंपनी एडीएनओसी के साथ इंडियन आयल कार्पोरेशन (आइओसी) के बीच हुआ है। इसके तहत भारतीय कंपनी 12 लाख टन सालाना एलएनजी का आयात अगले 14 वर्षों तक करेगी। इस समझौते का कुल आकार 7 अरब डॉलर का है। जबकि इसी कंपनी से बीपीसीएल ने 24 लाख टन एलएनजी की खरीद को अगले पांच वर्षों तक और बढ़ाने का फैसला किया है।

मुंबई हाई में ब्रिटेन करेगा तकनीकी मदद- जबकि आइओसी ने नेपाल की योग्या होल्डिंग्स के साथ 1,000 टन सालाना एलएनजी निर्यात करने का समझौता किया है। एक अन्य समझौता ओएनजीसी और ब्रिटिश पेट्रोलियम के बीच हुआ है जिसके तहत भारत की सरकारी कंपनी के सबसे बड़े तेल फील्ड मुंबई हाई में तकनीकी मदद हासिल होगी।

सोना फिर 88,000 रुपये के पार, चांदी भी 800 चमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूत रुझानों के चलते गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 140 रुपये बढ़कर 88,100 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। ऑल इंडिया सर्राफा एसोसिएशन के अनुसार, इससे पहले बुधवार को 99.9% शुद्धता वाला सोना 87,960 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं, 99.5% शुद्धता वाले सोने की कीमत 140 रुपये बढ़कर 87,700 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जो पिछले बंद भाव 87,560 रुपये प्रति 10 ग्राम थी।

चांदी की कीमत में भी जोरदार उछाल देखने को मिला। गुरुवार को चांदी 800 रुपये चढ़कर 98,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। पिछले कारोबारी सत्र में यह 97,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

HDFC सिक्योरिटीज के सीनियर एनालिस्ट (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा, गुरुवार को सोना हालिया गिरावट से उबरते हुए मजबूती के साथ कारोबार कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के घोषित नए टैरिफ जल्द लागू होने वाले हैं, जिससे सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग बनी हुई है। गांधी ने आगे कहा कि निवेशक इस बात को लेकर चिंतित हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति के टैरिफ फैसले से वैश्विक व्यापार युद्ध छिड़ सकता है, जिससे सोने जैसे सुरक्षित निवेश को मजबूती मिल रही है।

आरबीआई ने इस बैंक पर लगाया बैन, पैसे निकालने पर भी रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बैंकिंग सेक्टर के रेगुलेटर रिजर्व आरबीआई ने मुंबई स्थित न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के कामकाज पर कई तरह की पाबंदियां लगा दी हैं। इसका सबसे अधिक असर बैंक के ग्राहकों के ग्राहकों पर पड़ेगा, जो अपने खून-पसीने की कमाई अब नहीं निकाल सकेंगे।

आरबीआई के बैन का असर- आरबीआई के बैन के बाद न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक अब न कोई लोन दे सकेगा और न ही कोई डिपॉजिट ले सकेगा। यह प्रतिबंध 13 फरवरी 2025 से अगले छह महीनों के लिए लागू हो चुका है। इससे ग्राहकों को भी परेशानी होगी, क्योंकि वे अपने बैंक में जमा अपने पैसे अब नहीं निकाल सकेंगे। हालांकि, इस दौरान आरबीआई बैंक के कामकाज की बारीक जांच करेगा और वह प्रतिबंध की अवधि खत्म होने के बाद जरूरी रियायत भी दे सकता है।

आरबीआई ने अपने बयान में कहा, मौजूदा कैश (लिक्विडिटी) को ध्यान में रखते हुए बैंक को निर्देश दिया गया है कि वह किसी भी जमाकर्ता को बचत खाते, चालू खाते या किसी अन्य खाते से धन निकालने की अनुमति न दे।÷ हालांकि, बैंक को लोन को जमा राशि के खिलाफ समायोजित (सेट ऑफ) करने की अनुमति दी गई है, बशर्ते कि यह आरबीआई के जारी निर्देशों के अनुसार हो। इसके अलावा, बैंक वेतन, किराया और बिजली बिल जैसी जरूरी चीजों पर खर्च कर सकता है।

आरबीआई ने क्यों लगाया बैन- आरबीआई का कहना है कि उसे न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के कामकाज में गंभीर खामियां मिली है। उसने बैंक पर सख्त पाबंदियां लगाने का निर्देश जमाकर्ताओं के हितों की सुरक्षा के लिए जारी किया है। आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि, 13 फरवरी, 2025 को बैंक के कारोबार बंद होने के बाद से बैंक बिना उसके अनुमति के ना को कोई लोन या एडवांस रकम देगा या उसे रिन्यू करेगा।

आरबीआई के निर्देश के मुताबिक, न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के ग्राहक अब अपने जमा को निकाल नहीं पाएंगे। अगर आरबीआई जांच के बाद बैंक को किसी तरह की राहत देता है, तो ग्राहक अपने पैसे निकाल सकेंगे। ऐसा न होने की सूरत में जमाकर्ताओं को अपनी जमा राशि पर 5 लाख रुपये तक का बीमा क्लेम मिल जाएगा। यह क्लेम डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन से मिलेगा।

क्यों बदल रहा 64 साल पुराना टैक्स कानून

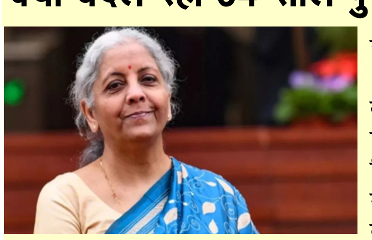

नई दिल्ली (एजेंसी)। 64 साल पुराने आयकर कानून 1961 के सरलीकरण और इसमें चले आ रहे बेवजह के प्रविधानों को समाप्त करने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोक सभा में इनकम टैक्स बिल 2025 को पेश किया। इस बिल में वर्तमान इनकम टैक्स कानून की तुलना में 24 अध्याय और 2,52,859 शब्दों को कम कर दिया गया है। 283 सेक्शन हटा दिए गए हैं तो 39 नए टेबल और 46 फॉर्मूला जोड़े गए हैं।

विपक्ष सदस्यों के एतराज के बीच ध्वनि मत से बिल पेश करने की मंजूरी दी गई। वित्तमंत्री ने आयकर कानून में संशोधन के लिए यह बहुप्रतीक्षित बिल लोकसभा में पेश कर दिया। हालांकि सरकार ने खुद ही बिल को संसदीय समीक्षा के लिए भेजने की पहल करते हुए स्पीकर ओम बिरला से विधेयक को संसद की प्रवर समिति (सेलेक्ट कमेटी) में भेजने का आग्रह किया। प्रवर समिति का गठन स्पीकर करेंगे और अगले मानसून सत्र के आखिर तक इसे अपनी रिपोर्ट संसद में पेश करनी होगी।

नया आयकर विधेयक 2025 इनकम टैक्स कानून 1961 का स्थान लेगा।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

दमोह जिले में गाय को बचाने में पलटा एथेनॉल से भरा कंटेनर, एरिया किया गया सील

दमोह। दमोह जिले बटियागढ़ ब्लॉक में आने वाले नीमन तिराहे पर शुक्रवार सुबह करीब एथेनॉल से भरा एक कंटेनर अनियंत्रित होकर पलट गया। जिसके बाद इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही रोकी गई और पुलिस को सूचित किया गया।

कानपुर डिस्टिलरी से जबलपुर जा रहा कंटेनर सड़क पर अचानक आई गाय को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे ने ड्राइवर को ज्यादा चोट नहीं आई, लेकिन यह लिक्विड जरूर जमीन में बह रहा है।घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर के निर्देश पर पुलिस, एक्साइज और राजस्व विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं। यहां लोगों को दूसरे रस्ते से निकाला जा रहा है और कंटेनर से दूर रहने की हिदायत दी गई है।

काफी ज्वलनशील पदार्थ हैएथेनॉल काफी अधिक ज्वलनशील पदार्थ होने के कारण सुरक्षा के मद्देनजर आसपास के क्षेत्र को तत्काल सील कर दिया गया। स्थानीय लोगों को क्षेत्र से दूर रहने और जमीन पर बह रहे एथेनॉल को न छूने की चेतावनी दी गई है। ताकि किसी प्रकार की कोई घटना घटित न हो सके।

कानपुर से दूसरा कंटेनर बुलाया

कलेक्टर कोचर ने बताया कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस और एसडीआरएफ की टीम को भी मौके तैनात किया गया है। लोगों को यहां से दूर रहने की सलाह दी जा रही है। कानपुर डिस्टिलरी से एक अन्य कंटेनर मंगवाया गया है, जिसमें पलटे हुए कंटेनर से एथेनॉल को स्थानांतरित किया जाएगा।

वैकल्पिक मार्ग से जाने की व्यवस्था की गई

दुर्घटनास्थल पर कंटेनर सड़क के आधे हिस्से को घेरे हुए है, जिसके कारण केवल आपातकालीन वाहनों को ही गुजरने की अनुमति दी जा रही है। अन्य वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग से जाने की व्यवस्था की गई है।लोगों को जैसे ही एक ज्वलनशील पदार्थ के कंटेनर पलटने की सूचना लगी है तो वह भी वहां पहुंच गए हैं, लेकिन पुलिस के द्वारा किसी को भी नजदीक नहीं जाने दिया जा रहा है।

सभी विभागों की टीमें डटी रहेंगी

उल्लेखनीय है कि बटियागढ़ ब्लॉक का नीमन तिराहा हादसों के लिए जाना जाता है, जहां आए दिन वाहन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जब तक स्थिति सामान्य नहीं हो जाती, तब तक सभी विभागों की टीमें मौके पर डटी रहेंगी और दूसरे कंटेनर के पहुंचने के बाद ही लोगों की आवाजाही शुरू होगी।

मध्य प्रदेश में भी नासूर बन रही रेवड़ी संस्कृति, बजट पर बढ़ रहा बोझ

भोपाल। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों में बढ़ रहे रेवड़ी संस्कृति पर चिंता जताई है। इसके बाद मुफ्तखोरी की सरकारी योजनाओं को लेकर फिर बहस छिड़ गई है। मध्य प्रदेश भी इससे अछूता नहीं है। प्रदेश में लाड़ली बहना योजना पर व्यय हो रहे अच्छे-खासे बजट ने ही विकास की राह प्रभावित कर दी है। सरकार पर कर्ज का बोझ बढ़ रहा है। फिलहाल सरकार इस योजना के तहत महिलाओं को 1250 रुपये प्रति माह प्रदान कर रही है। तैयारी यह भी है कि इसे ढाई-तीन हजार रुपये कर दिया जाए। ऐसा हुआ तो प्रति वर्ष लगभग 40 हजार करोड़ रुपये का खर्च केवल इसी योजना पर होगा। अन्य योजनाएं भी बजट पर बोझ बन रही हैं।

चार लाख करोड़ रुपये ज्यादा का हो सकता है कर्ज–मध्य प्रदेश सरकार एक तरफ नए वित्तीय वर्ष के बजट की तैयारी कर रही है, दूसरी तरफ वित्त प्रबंधन सरकार के लिए मुश्किल हो रहा है। एक अनुमान के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट चार लाख करोड़ रुपये से अधिक का हो सकता है।इसमें महिला एवं बाल विकास विभाग को लगभग 27 हजार करोड़ रुपये मिलेंगे। इससे लाड़ली बहना योजना और 450 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने जैसी योजना के लिए प्रविधान रहेगा। लाड़ली बहना योजना पर वर्षभर में लगभग 18 हजार करोड़ रुपये व्यय हो रहे हैं।

मुफ्त में राशन का खर्च अलग ही–इसी तरह सस्ती दर पर बिजली उपलब्ध कराने के लिए दिए जाने वाले अनुदान के लिए विभिन्न विभागों के बजट में 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रविधान रखा जाएगा। मुफ्त में राशन का खर्च अलग ही है। स्कूटी, लैपटाप, साड़ी, जूते और कन्यादान जैसी योजनाएं भी निरंतर सरकार के वित्त प्रबंधन को प्रभावित कर रही हैं।

कर्ज इतना कि भुगतेंगी पीढ़ियां–रेवड़ी बांटने के लिए सरकारों द्वारा जितना कर्ज लिया जा रहा है, इसका बोझ आने वाली पीढ़ियों को भी चुकाना होगा। बजट का एक हिस्सा इन कर्जों के ब्याज पर चला जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अर्थव्यवस्था में उत्पादन एवं रोजगार बढ़ाने की तुलना में विभिन्न रेवड़ी योजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है।यदि रोजगार एवं उत्पादन नहीं बढ़ेगा और आय असमानता कम नहीं होगी तो कर्ज तो लेना ही होगा। इसके दुष्परिणाम यह हो रहे हैं कि अधोसंरचना विकास के कार्य पर बजट घट रहा है। बजट के अभाव में पूरे राज्य में सीएम राइज विद्यालयों का काम रुक गया है। इधर, पूंजीगत व्यय 70 हजार करोड़ रुपये में सिमट गया है। इससे अधिक राशि वेतन-भत्तों पर व्यय की जा रही है।

एमपी हाईकोर्ट का आदेश– अभिभावक 10 प्रतिशत वृद्धि के साथ कुल फीस का 50 प्रतिशत जमा करें

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत व न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने गुरुवार को अभिभावकों व छात्रों के हक में आंशिक राहतकारी आदेश पारित किया। व्यवस्था दी कि अभिभावक 10त्न वृद्धि के साथ कुल फीस का 50त्न जमा करें।

इस शर्त का पालन किए जाने पर बच्चों को परीक्षा में शामिल करने की अनुमति दे दी गई। अभिभावकों को शेष फीस अगले माह जमा करने के निर्देश दिए हैं। अगली सुनवाई 17 मार्च को होगी। मप्र अभिभावक संघ के सचिन गुप्ता ने जबलपुर के विभिन्न निजी स्कूलों द्वारा दायर की गई अपील के अंतर्गत गुरुवार को हस्तक्षेप आवेदन दायर किया था।संघ की ओर से अधिवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने दलील दी कि फीस जमा न करने के कारण कुछ निजी स्कूल बच्चों को परीक्षा में शामिल होने से वंचित कर रहे हैं। कलेक्टर ने लगभग 32 स्कूलों को 265 करोड़ वापस करने के निर्देश दिए हैं। इसके बावजूद स्कूल संचालक अधिक फीस वसूल रहे हैं। कोर्ट ने कुछ अभिभावकों से भी सवाल-जवाब किए।क्या है मामला

13 अगस्त 2024 को हाई कोर्ट ने जिला समिति के उस आदेश पर रोक लगा दी थी, जिसके तहत निजी स्कूलों को फीस रिफंड करने कहा था और समिति द्वारा फीस निर्धारित की गई थी। क्राइस्ट चर्च, सेंट अलायसियस, ज्ञान गंगा, स्टेमफील्ड व स्कूलों की ओर से अपील दायर की गई थी।

अपीलार्थियों की ओर से अधिवक्ता अंशुमान सिंह ने दलील दी कि जिला समिति ने इस आधार पर उक्त आदेश जारी किया था कि स्कूलों ने ऑनलाइन पोर्टल पर फीस वृद्धि की जानकारी अपलोड नहीं की थी।जिला समिति ने वर्ष 2017-18 से 2024-25 के शैक्षणिक सत्र में बढ़ाई फीस वापस करने के आदेश जारी किए थे। कमेटी ने वर्तमान सत्र की फीस भी निर्धारित की थी। कमेटी ने फीस वृद्धि का गलत आकलन किया था।

बच्चों ने देखते ही पहचाना– अरे! यह तो शिवाय है, जिसे बदमाशों ने किडनैप कर लिया था

ग्वालियर । किडनैपर्स शिवाय को मुरैना जिले के काजीबसई ले गए थे। काजीबसई की सरपंच ऐतशाम बानो के ससुर महबूब खान ने शिवाय के रोने की आवाज सुनी। इसके बाद खंडहरनुमा मकान के पास रोते मिले शिवाय को घर लेकर पहुंचे। यहां बच्चों ने देखते ही कहा कि यह तो शिवाय है।

इसका अपहरण हुआ है। महबूब की नातिन ने शिवाय से घर का नंबर पूछा और फेसबुक पर शिवाय के घर का नंबर मिल गया। फिर वीडियो कॉल कर दिया। उधर, आईजी अरविंद सक्सैना ने डीजीपी कैलाश मकवाना से शिवाय की वीडियो कॉल पर बात कराई।शिवाय की जुबानी...?मुझे थप्पड़ मारे, गला दबाने का कहकर डराते रहे बाइक वाले अंकल मुझे पकड़कर ले गए। उनके हाथ में मिर्ची लगी थी, वही हाथ मेरे मुंह पर रख दिया। मुझे मिर्ची लग रही थी। मैं रोया तो मेरा मुंह दबा दिया। बार-बार मुझे बोल रहे थे, अगर शोर मचाया तो गला दबा देंगे। मुझे थप्पड़ भी मारे।बार-बार गाड़ी से फेंकने की बात कह रहे थे। मुझे डर लग रहा था। फिर मैं सो भी गया। जब उठा तो रोया तो अंकल ने डराया। मैंने कुछ भी नहीं खाया। मुझे नहीं पता कि वे मुझे कहां-कहां घुमाते रहे और रात में खेत में फेंककर भाग गए।

यह घटना ऐसी थी, जिसने अलग उदाहरण पेश किया। पूरा शहर शिवाय के परिवार और पुलिस के साथ नजर आया। हर व्यक्ति ने इंटरनेट मीडिया पर फुटेज, वीडियो साझा किए। अपने वॉट्सएप स्टेट्स पर लगाया। रिश्तेदारों को भेजे।शहर की एकता का नतीजा था, बदमाशों पर दबाव बना। इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव, डीजीपी कैलाश मकवाना खुद चिंतित थे। पूरी मॉनीटरिंग मुख्यमंत्री खुद कर रहे थे। प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट ने सुबह ही बच्चों के स्वजनों से बात करने के बाद पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया था।

बच्चों का शव ना मिलने पर ग्रामीणों ने किया चक्काजाम, प्रयागराज से आने वाले वाहनों की लगी लंबी कतारें

कुम्हारी। जिले के दमोह कटनी मार्ग पर कुम्हारी बस स्टैंड पर गुरुवार को कुलुवा में तालाब से डूबने पर एक 14 वर्षीय युवक का शव दूसरे दिन शुक्रवार को भी नहीं मिलने के उपरांत ग्रामीणों द्वारा आक्रोश व्यक्त करते हुए बस स्टैंड पर चक्का जाम लगा दिया, जिस कारण से आने जाने वाले वाहनों के साथ-साथ प्रयागराज से लौट रहे लंबी दूरी के वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं।घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार कुम्हारी थाने के ग्राम कुलवा निवासी 14 वर्षीय किशोर वेडी पुत्र राम सिंह आदिवासी की तालाब में डूबने से गुरुवार को मौत हो गई थी।

70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठजनों के आयुष्मान कार्ड बनाने के कार्य में लायें प्रगति

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली

इंदौर। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन की अध्यक्षता में आज जिला स्वास्थ्य समिति एवं जिला क्वालिटी एश्योरेंस कमेटी की बैठक कलेक्टर कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठजनों के आयुष्मान कार्ड बनाने में प्रगति लायें। इस कार्य में आँगनवाड़ी कार्यकर्ता, रेडक्रास सोसायटी एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं का सहयोग लेकर इस कार्य को प्राथमिकता के साथ निर्धारित अवधि में पूरा करें। उन्होंने बाल मृत्यु दर में कमी लाने के लिये आवश्यक सुधार के भी निर्देश दिये। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी. एस. सैत्या, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हेमंत गुप्ता, सिविल सर्जन डॉ. जी.एल. सोढ़ी, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. तरुण गुप्ता, जिला विस्तार एवं माध्यम अधिकारी डॉ. मनीषा पंडित, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. शिवराज सिंह चौहान समस्त ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर, जोनल मेडिकल ऑफिसर तथा समस्त कार्यक्रम अधिकारी उपस्थित थे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जैन ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि एचआईवी/एड्स, टीबी, हेपेटाइटिस बी जैसी बीमारियों के बचाव हेतु चिकित्सा और शिक्षा से जुड़े अधिकारी स्कूल-कॉलेजों एवं अन्य शिक्षण संस्थानों में पायलेट प्रोजेक्ट के तहत जनजागरूकता अभियान चलायें, ताकि युवा वर्ग के स्वास्थ्य को सुनिश्चित किया जा सके। 13 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूकता जरूरी है।

बैठक में श्री जैन ने कहा कि जिले में चल रहे राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम में और प्रगति लायें। इस कार्य में रोगियों के साथ सतत संवाद स्थापित करें और लगातार मॉनीटरिंग भी करते रहें, ताकि कुष्ठ रोग जैसी बीमारी का पूरी तरह से उन्मूलन हो सके। अंधत्व निवारण कार्यक्रम के तहत चिन्हित रोगियों के ऑपरेशन किये जायें। इस कार्य में शासकीय अस्पतालों के अलावा एनजीओ और निजी अस्पतालों का भी सहयोग लिया जाये, ताकि जिले में कोई भी मोतियाबिंद का रोगी नहीं रहे। श्री जैन ने टीकाकरण अभियान के बारे में जानकारी लेते हुए स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिये कि छोटे बच्चों का टीकाकरण शत-प्रतिशत हो। जिन क्षेत्रों में लक्ष्य से कम टीकाकरण है वहां घर-घर जाकर शत-प्रतिशत पूर्ण किया जाये। उन्होंने कहा कि एनीमिया एक जन स्वास्थ्य समस्या है। माता द्वारा शिशुओं को कम स्तनपान कराने की वजह से भी एनीमिया की समस्या होती है। बच्चों के आहार में विटामिन ए युक्त भोजन की कमी होना भी एनीमिया का कारण है। एनीमिया की वजह से बच्चों में रोगों से लड़ने की क्षमता में कमी आती है। इसके लिये 6 माह उपरांत बच्चे के आहार में दूध, दूध से बनी चीजें सहित हरी पत्तेदार सब्जियां एवं पीले फल का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि टीबी एक संक्रामक रोग है। अतः इस पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शहर और गाँव दोनों क्षेत्रों में आपातकालीन वाहन सेवा 108 एम्बुलेंस अच्छा कार्य कर रही है। वर्तमान में शहरी क्षेत्र में 20 और ग्रामीण क्षेत्र में 34 एम्बुलेंस वाहन चल रहे हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इंदौर जिले के बेहतर स्वास्थ्य के लिये सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग लिया जाये।

पीथमपुर में खड़े यूनियन कार्बाइड के कचरे के कंटेनर अनलोड किए गए

इंदौर। यूनियन कार्बाइड के कचरे के निष्पादन को लेकर शासन और प्रशासन पूरी पारदर्शिता बरत रहा है। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने बताया है कि आज पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड के कचरे के कंटेनर सुरक्षा के सभी मापदंडों का पालन करते हुए अनलोड किए गए हैं। इस प्रक्रिया में सभी को विश्वास में लेकर ही आगे बढ़ा जा रहा है। प्रशासन द्वारा क्षेत्र में व्यापक रूप से जनजागरूकता अभियान चलाया गया है। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह और पुलिस महानिरीक्षक श्री अनुराग ने भी गत मंगलवार को पीथमपुर पहुँच कर जनसंवाद प्रक्रिया में भाग लिया था। इसके पूर्व संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने इंदौर में भी विभिन्न मंचों पर निष्पादन की पूरी प्रक्रिया के सुरक्षित होने के संबंध में व्यापक रूप से जनसंवाद किया था। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने बताया है कि निष्पादन की कार्रवाई के संदर्भ में माननीय उच्च न्यायालय में आगामी दिनों में रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

धार कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने गुरुवार को पीथमपुर स्थित रामकी प्लांट का दौरा किया।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि प्रशासन ने पिछले कुछ दिनों में इस विषय पर सही जानकारी जनता तक पहुंचाने का कार्य किया है। इसके बाद जन प्रतिनिधियों के साथ बैठकें की गई और अलग-अलग मंचों पर पूरी प्रक्रिया को समझाया गया। उन्होंने बताया कि कंटेनरों को ट्रॉली से जमीन पर उतारना आवश्यक था।

आज की गई कार्यवाही से पहले जन प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की गई। इस कार्रवाई के बारे में बताया गया। सभी ने इस पर सहमति दी। निर्णय लिया गया कि सभी की उपस्थिति में पूरी पारदर्शिता के साथ इस कार्रवाई को हम करेंगे। आज वही कार्रवाई रामकी इंडस्ट्री में परिसर में चल रही है। जिसे सभी की सहमति से पूरा किया गया।

24 घंटे निगरानी में है प्लांट- कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि यूनियन कार्बाइड के कचरे के निष्पादन में किसी भी प्रकार की भ्रामक जानकारी न फैलाई जाए। उन्होंने कहा कि प्लांट की 24 घंटे निगरानी की जा रही है, सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिसे कोई भी जनप्रतिनिधि देख सकता है।

जनता, जनप्रतिनिधियों और मीडिया का आभार- कलेक्टर श्री मिश्रा ने पीथमपुर की जनता, जनप्रतिनिधियों और मीडिया का आभार व्यक्त किया और कहा कि संवेदनशील मुद्दे पर रखा गया धैर्य सराहनीय है। उन्होंने आश्वस्त किया कि शासन-प्रशासन इस मामले में जो भी निर्णय लेगा, वह पूरी पारदर्शिता के साथ होगा।

बॉयोमास बनाने वाली इकाईयों का कलेक्टर आशीष सिंह ने किया अवलोकन

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने इंदौर जिले में पराली के सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल निष्पादन की संभावनाएं पता करने के मद्देनजर जिले के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित विभिन्न औद्योगिक इकाईयों का अवलोकन किया गया। यह इकाईया बॉयोमास ईंधन और सीएनजी उत्पादन संबंधित है। उन्होंने इन इकाइयों में इंदौर जिले में पराली (नरवाई) के सुरक्षित निष्पादन के संबंध में संभावनाएं पता की। उन्होंने कहा कि इन इकाइयों में कृषि अवशेषों के निष्पादन की बेहतर संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि अगर सभी कृषक इन इकाइयों में अपने कृषि अवशेष देंगे तो नरवाई का बेहतर उपयोग होगा और पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तथा किसानों को भी दोहरा लाभ मिलेगा। उनकी आय में भी वृद्धि होगी। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने अपने भ्रमण की शुरूआत डकाच्या में निर्माणाधीन रिलायंस बॉयो एनर्जी प्लांट के अवलोकन के साथ की। उन्होंने यहां प्लांट के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। बताया गया कि यह प्लांट मार्च माह में बनकर तैयार हो जाएगा। इस प्लांट में बॉयोमास ईंधन बनेगा। यह बॉयोमास कृषकों से क्रय किया जाएगा। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा कि इस प्लांट में इंदौर जिले के कृषि अवशेषों(पराली) का भरपूर उपयोग किया जाए। इससे पराली जलाने की कुप्रथा रुकेगी। किसानों को दोहरा लाभ होगा। जहां एक और उनकी उपज का मूल्य तो मिलेगा ही पराली का भी दाम मिलेगा। पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर व्यापक तैयारियां जारी

इंदौर। भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर व्यापक तैयारियां जारी है। इन्हीं तैयारियों के सिलसिले में आज यहां जनप्रतिनिधियों और उद्योगपतियों की संयुक्त कार्यशाला इंदौर संवाद का आयोजन रेसीडेंसी के सभाकक्ष में किया गया। इस कार्यशाला में उद्योगपतियों को आमंत्रण देते हुए उनका आह्वान किया गया कि वे बड़ी संख्या में इस समिट में शामिल होंवें और अधिक से अधिक निवेश करें। मध्यप्रदेश में औद्योगिक निवेश के लिए अनुकूल वातावरण है। यहां बेहतर सुविधाएं और संसाधन उपलब्ध है।

इस कार्यशाला में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री रमेश मेंदोला, सुश्री उषा ठाकुर, श्री मधु वर्मा तथा श्री गोलू शुक्ला, कलेक्टर श्री आशीष सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, एमपीआईडीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री राजेश राठौर, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.पी. अहिरवाल, श्री सुमित मिश्रा, श्री श्रवण चावड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और विभिन्न औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारी मौजूद थे।

प्रमुख सचिव श्री नरहरि ने खरगोन जिले में जल जीवन मिशन की समीक्षा की

इंदौर। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख सचिव श्री पी. नरहरि ने आज खरगोन जिले में संचालित जल जीवन मिशन की समीक्षा की। कलेक्टर कार्यालय खरगोन में आयोजित बैठक में कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आकाश सिंह, प्रमुख अभियंता श्री वी.एस. सोलंकी, मुख्य अभियंता श्री के.के. सोनगरिया, अधीक्षण यंत्री खरगोन श्री एस भिड़े, पीएचई के कार्यपालन यंत्री के साथ सभी जनपद सीईओ, उपयंत्री, सहायक यंत्री उपस्थित थे।

बैठक में श्री प्रमुख सचिव श्री नरहरि ने कहा कि समस्त ग्रामों में प्रत्येक घर में स्वच्छ जल की प्रतिदिन उपलब्धता शासन का लक्ष्य है। बताया गया कि एकल नल योजना में जिले में 2 लाख 80 हजार 410 नल कनेक्शन का लक्ष्य दिया गया है। जिसमें से 91.20त्र कार्य पूर्ण हो चुका है। जिले में 11 हजार 775 नल कनेक्शन शेष है। प्रमुख सचिव श्री नरहरि ने कहा कि संपूर्ण योजना 31 मार्च तक पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने झिरन्या एई को कारण बताओ सूचना पत्र देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 15 दिवस में यदि प्रगति नहीं पायी जाती है तो संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी।

प्रमुख सचिव श्री नरहरि ने कहा कि हर घर में नल से जल पहुंचना चाहिये। योजना के तहत कोई भी घर छूटना नहीं चाहिए। उक्त योजना हेतु प्रति घर 25 हजार से लेकर 75 हजार रूपये तक का खर्चा हो रहा है। इसके लिए जिम्मेदारी समझ कर पूर्ण मनोयोग से कार्य करें। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 27 हजार ग्रामों में योजना संचालित है।

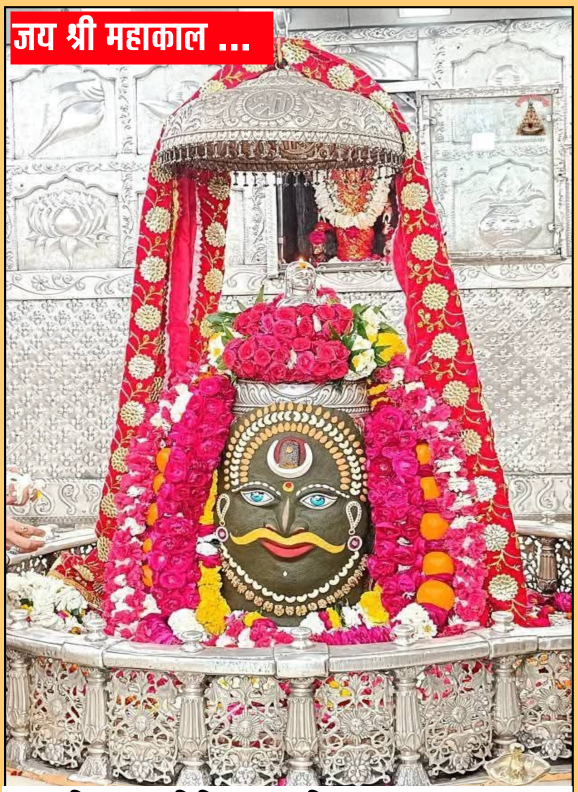

अवन्तिकायाम विहितावतारम मुक्ति प्रदायनाय च सजनाम,
अकाल मृत्यु परिरक्षनाय, वन्दे महाकाल महा सुरेश्वरम
भूतभावन भगवान श्री महाकाल महाराज सभी को आरोग्यता प्रदान करें

संभागायुक्त श्री गुप्ता ने उज्जैन भ्रमण पर आए स्कूल आफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर के दल के साथ बैठक की

उज्जैन । संभागायुक्त श्री संजय गुप्ता ने शुक्रवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभा कक्ष में भोपाल से उज्जैन भ्रमण पर आए स्कूल आफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर एसपीए के विद्यार्थियों और प्रोफेसर्स के साथ बैठक की। इस दौरान कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा, एडीएम श्री प्रथम कौशिक, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती जयति सिंह, सीईओ स्मार्ट सिटी श्री संदीप शिवा, सीईओ यूडीए श्री श्री संदीप सोनी एवं अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

बैठक में संभागायुक्त ने एसपीए दल को आगामी सिंहस्थ महापर्व के दौरान जिला प्रशासन द्वारा बनाई गई यातायात व्यवस्था, प्रमुख मार्गो व भीड़ प्रबंधन के बारे में आवश्यक जानकारी व सहयोग प्रदान करने के निर्देश संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए।

एसपीए की प्रोफेसर शिवली मित्रा और प्रोफेसर आदित्य भंडारी ने बताया कि उनका दल आगामी 22 फरवरी तक उज्जैन में भ्रमण करेगा। इनमें 25 विद्यार्थी तथा दो प्रोफेसर हैं । दल के द्वारा यहां पर ट्रैफिक व्यवस्था और पैदल मार्ग का अध्ययन किया जाएगा। इसके अलावा दिव्यांगजनों को लाने व ले जाने के लिए व्यवस्था का विस्तृत अध्ययन किया जाएगा। श्रद्धालुओं को यहां आवागमन में किसी तरह की असुविधा न हो तथा प्रमुख दर्शनीय स्थलों के दर्शन सुगमता से हो सकें ,इसके लिए अध्ययन के पश्चात सुझाव प्रशासन को दिए जाएंगे। एसपीए दल के द्वारा सर्वे का काम भी किया जाएगा। यहां पर बनाए जाने वाले मार्गो की ज्यामिति का भी अध्ययन किया जाएगा। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं से भी बातचीत की जाएगी तथा इसकी विस्तृत रिपोर्ट प्रशासन और मध्य प्रदेश सरकार को दी जाएगी । संभागायुक्त श्री गुप्ता के द्वारा बैठक में एसपीए दल को उज्जैन में आवागमन के प्रमुख मार्गो के बारे में जानकारी दी गई तथा उज्जैन में सिंहस्थ के दौरान बनाए जाने वाले रोड नेटवर्क के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही यहां के प्रमुख मंदिरों के बारे में बताया गया। कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने दल का स्वागत करते हुए कहा कि दल उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर और अन्य प्रमुख मंदिरों का भ्रमण करें, श्री महाकाल लोग का अवलोकन करें तथा श्रद्धालुओं को कैसे कम समय में दर्शन हो सके इसके लिए अपने सुझाव दें।

मध्यप्रदेश के पहले सहकारिता आधारित प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का भ्रमण

उज्जैन। मध्य प्रदेश के पहले सहकारिता आधारित प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का भ्रमण भारतीय राष्ट्रीय सहकारी शिक्षा केंद्र नई दिल्ली एवं जिला सहकारी संघ मर्यादित उज्जैन के संयुक्त तत्वाधान में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा घिनौता नागदा खाचरोद उन्हेल के शाखा प्रबंधक एवं समति प्रबंधकों ने किया।

तीन दिवसीय नेतृत्व विकास कार्यक्रम के अंतर्गत द्वितीय दिवस पर जिला सहकारी संघ के प्रभारी प्रबंधक सुमेर सिंह सोलंकी ने कार्यक्रम का संचालन करते कहा कि आज हमारा सहकारिता गरीब किसान एवं मध्यम परिवार के लिए सराहनीय कार्य कर रहा है हमारे देश की 75% जनता किसी न किसी रूप में सहकारिता से जुड़ी हुई है। सभी समिति प्रबंधको से निवेदन किया कि आप हमारे किसान भाइयों की सेवा के लिए तत्पर रहे। वह हमारे अन्नदाता होने के साथ ही साथ हमारे देश को अन्य उत्पादन में दूसरे नंबर पर लाने में सराहनीय योगदान किया है।

राष्ट्रीय सहकारी शिक्षा केंद्र नई दिल्ली के क्षेत्रीय प्रबंधक चंद्रशेखर बैरागी ने सहकारिता के कर्तव्य परिभाषा व सिद्धांत वादे नियम से संबंधित जानकारी दी। ब्रांच एवं समितियां के प्रशासक शांतिलाल चौहान ने सभी ब्रांड मैनेजर व समिति प्रबंधकों से अपील की है कि वह अपना सभी प्रकार का कार्य हमेशा अपडेट करके रखें। सहकारिता विभाग व मध्य प्रदेश शासन व केंद्र शासन द्वारा जन हितेषी चलाई जा रही योजनाओं का जन जन तक लाभ पहुंचाने का कार्य करें। तत्पश्चात शाखा प्रबंधक समिति प्रबंधक के साथ नागदा तहसील का ग्राम रुपयेता में सहकारिता से आधारित मध्य प्रदेश की प्रथम प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र एवं सेवा सरकारी संस्था का भ्रमण किया गया।

न्यायाधीश श्री सनोडिया स्थानांतरित

उज्जैन। श्रम न्यायालय के पीठासीन अधिकारी श्री गिरिजेश कुमार सनोडिया उज्जैन में 25 मई 2022 से निरन्तर पदस्त रहे तथा उनका मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी डिंडोरी,मध्य प्रदेश के पद पर स्थानांतरित होने पर प्रशिक्षत मध्यस्थ ठा.हरदयालसिंह ,अभिभाषक संघ के पूर्व अध्यक्ष पं.दिनेशचन्द्र पण्ड्या,मस्तानसिंह छाबड़ा,पं.योगेश व्यास,जुबैर कुरैशी,राजेश वडेरा,कुँवर कर्णसिंह, जिगरजीतसिंह छाबड़ा, दीपकसिंह चूण्डावत, राधे राजपूत,लखन उपाध्याय आदि।

ज्ञापन देने गये कर्मचारियों को नहीं मिले निगम आयुक्त

उज्जैन। विगत 9 दिनों से अपनी लंबित मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे निगम कर्मचारियों ने निगम गेट पर ज्ञापन का वाचन किया और बड़ी संख्या में निगम कर्मचारी अपने वाहनों से रैली के रुप में ग्रांड होटल पहुंचे। यहां निगम अध्यक्ष के नाम उनके पीए को ज्ञापन सौंपा। इसके बाद महापौर को ज्ञापन सौंपा गया। हमेशा की तरह निगम आयुक्त ज्ञापन के लिये उपलब्ध नहीं थे।

भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध सफाई कामगार संघ, स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ के बेनरतले विगत 9 दिनों से निगम गेट पर धरना प्रदर्शन चल रहा है किन्तु एक भी निगम अधिकारी ने कर्मचारियों की सुध नहीं ली। इससे आक्रोशित कर्मचारियों ने शुक्रवार को निगम गेट पर नारेबाजी की। सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ अध्यक्ष डॉ. पवन व्यास ने कर्मचारियों से संबंधित लंबित मांगों के ज्ञापन का वाचन किया। जिसमें समयमान वेतनमान के आदेश एवं एरियर का भुगतान, सेवानिवृत्त कर्मचारियों का 1000/- मेडीकल भत्ता बढ़ाये जाने, ग्रेच्युटी के कोर्ट केस के प्रकरणों का निराकरण करना, दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को 10 वर्ष एवं 20 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर क्रमशः 1500/- एवं 2500/- का विशेष भत्ता वेतन में लगाये जाने, पदोन्नति की कार्यवाही किये जाने, दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नियमित किये जाने आदि मांगें हैं। इसके पश्चात सैकड़ों की संख्या में कर्मचारियों ने वाहनों से रैली के रुप में ग्रांड होटल पहुंचे। यहां सर्वप्रथम निगम अध्यक्ष कलावती यादव के भोपाल जाने से उनके पीए द्वारा ज्ञापन लिया गया।

रेडियो के सामुदायिक पुनर्जीवन पर जोर, मानसिक जन-स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका

विश्व रेडियो दिवस पर परिसंवाद का आयोजन, रेडियो की भूमिका पर चर्चाएँ

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के पंडित जवाहरलाल नेहरू व्यवसाय प्रबंध संस्थान द्वारा आयोजित एक अनूठे जागरूकता अभियान में कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने यूनेस्को द्वारा घोषित विश्व रेडियो दिवस÷ ÷एक सदी की जानकारी, मनोरंजन और शिक्षा÷ पर आयोजित परिसंवाद सत्र में अपने रोचक शुभकामना संदेश में रेडियो के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने भारत के विकास अभियान में रेडियो जैसे लोकप्रिय माध्यम की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला और सामुदायिक स्तर पर इसके पुनर्जीवन को अविस्मरणीय बताया। प्रो. भारद्वाज ने विभिन्न शासकीय, निजी, और सामुदायिक रेडियो चैनल्स के चौबीसों घंटे प्रसारण कार्य को चुनौतीपूर्ण बताते हुए इसके महत्व पर जोर दिया।

इस अवसर पर प्रो डॉ. दीपक गुप्ता, अध्यक्ष, प्रबंध अध्ययन मंडल ने कहा कि रेडियो एक श्रवण माध्यम होने के नाते संचार का एक महत्वपूर्ण साधन है, जिसके द्वारा संवाद, गीत, संगीत, और आध्यात्म के माध्यम से मानसिक जनस्वास्थ्य के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है। पंडित जवाहरलाल नेहरू व्यवसाय प्रबंध संस्थान के निदेशक और ब्रांड विज्ञापन विशेषज्ञ प्रो. डॉ. धर्मेंद्र मेहता ने कार्यक्रम की संकल्पना प्रस्तुत करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र संपोषणिक विकास लक्ष्यों के तहत लक्ष्य क्रमांक 3, 9, और 17 के अंतर्गत रेडियो का सामुदायिक विकास में योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने विभिन्न सफल रेडियो टॉक शोज जैसे, ÷हवामहल÷, ÷परीक्षा पे चर्चा÷, ÷प्रधानमंत्री जी की मन की बात÷ और ÷स्व अमीन सयानी जी÷ के उदाहरणों से रेडियो दिवस को जीवंत किया।

रेडियो के इतिहास और विकास पर चर्चा, राष्ट्रीय महिला दिवस की भी हुई याद रेडियो के इतिहास पर बात करते हुए प्रो. डॉ. धर्मेंद्र मेहता ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संपोषणीय विकास लक्ष्य क्रमांक 3, 9 और 17 में रेडियो की भूमिका को महत्वपूर्ण मानते हुए इसकी सार्वभौमिक उपलब्धता और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव को उजागर किया। इस दौरान, मार्कोनी के योगदान की भी चर्चा की गई, जिन्होंने 1895 में रेडियो टेलीग्राफी के प्रारंभिक प्रयोगों की शुरुआत की और रेडियो संकेत भेजने के लिए पेटेंट प्राप्त किया।

सर सैयद अहमद वेलफेयर सोसाइटी ने वीर जवानों को अर्पित की श्रध्दांजलि

उज्जैन। पुलवामा कायराना हमले की छठी बरसी पर देश की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए वीर सैनिकों को सर सैयद अहमद वेलफेयर सोसाइटी द्वारा याद किया गया।

सर सैयद अहमद वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष पंकज जायसवाल एवं संरक्षक सैयद अबीद अली मीर ने बताया कि सोसाइटी द्वारा पुलवामा में हुए हमले की छठी बरसी पर देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों को शहीद पार्क स्थित शहीद स्मारक पर शहीदों के चित्रों पर पुष्प वर्षा कर याद किया गया। देश के लिए शहीद हुए सभी वीरों को शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की एवं 2 मिनट का मोन रखा गया। समाजसेवी इकबाल उस्मानी ने शहीदों का स्मरण करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि पुलवामा कश्मीर में 14 फरवरी 2019 को कायराना हमला कर देश के 40 वीर जवानों को शहीद कर दिया गया। देश की रक्षा करते हुए शहीद हुए सभी वीरों को आज हम भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com